


फर्द अहकाम
(नियम 28)

अदालत उपखण्ड अधिकारी मुकाम चित्तौड़गढ़ (राज.)
श्रीम प्रकाश बनाम डा. ए.
 किस्म मुकदमा प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 128 एल.आर.एक्ट. नम्बर 358/25

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
<p>08/9/25</p>	<p>प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 रालेरेए के तहत प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत, दर्ज रजिस्टर हो।</p> <p>प्रार्थी श्री / श्रीमती <u>उमारांकर डेव श्रीम प्रकाश</u></p> <p>पिता श्री <u>मदन लाल श्रीवासी</u></p> <p>निवासी- <u>विलीमा नं. 127</u> तहसील- <u>व</u> जिला चित्तौड़गढ़ ने ग्राम <u>विलीमा नगरी</u> स्थित खातेदारी की आराजी नम्बर <u>532</u> (खाता 290)</p> <p><u>529</u> / <u>0.24</u> , <u>533</u> / <u>0.23</u> (खाता 127)</p> <p>कुल कीता <u>03</u> कुल रकबा <u>1.59</u> है० की पत्थरगढी कराये जाने हेतु निवेदन किया। उक्त आराजी प्रार्थी के खातेदारी की आराजी में दर्ज रेकार्ड है।</p> <p>अतः प्रार्थी की ग्राम <u>विलीमा (नगरी)</u> स्थित खातेदारी की भूमि आराजी नम्बर <u>532</u> , <u>529</u> , <u>533</u></p> <p><u>0.62</u> , <u>0.24</u> , <u>0.23</u></p> <p>कुल कीता <u>03</u> रकबा <u>1.59</u> है० की बिना किसी कब्जे में दखलन्दाजी किये, सेंटलमेन्ट नक्शे अनुसार पत्थरगढी करने के आदेश दिये जाते है। पत्थरगढी का खर्चा प्रार्थी वहन करेगा। शुल्क <u>1000</u> रुपये अक्षरे <u>एक हजार मात्र</u> प्रार्थी से वसुल हो, पालना प्राप्त हो। पत्रावली निर्णित हो। पत्रावली पालना प्राप्ति पर पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">  (जीनू देवल) महायुक्त क्लर्क एल उपखण्ड अधिकारी चित्तौड़गढ़ (राज.) </p>